मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2695

17.03.2025 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय स्तर पर इको-क्रिएटिविटी और इनोवेशन हैकाथॉन का प्रदर्शन

2695. श्रीमती स्मिता उदय वाघ :
श्री गजेन्द्र सिंह पटेल :
श्री नव चरण माझी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा हैकाथॉन के माध्यम से उत्पन्न नवीन विचारों को यथार्थ वैश्विक पर्यावरणीय समाधानों के लिए कार्यान्वित और बढ़ाया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस पहल में भाग लेने वाले छात्रों और संस्थानों को कोई वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने हैकाथॉन के दौरान प्रस्तुत विचारों को विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए किसी उद्योग या अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग किया है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अपने समर्पित 'पर्यावरणीय शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी)' के अलावा, विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित अनुभावात्मक शिक्षण कार्यकलापों में इको-क्लब के छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित और इसकी सुविधा प्रदान करना है। वर्ष 2024 के दौरान आयोजित 'इको-क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन हैकाथॉन' ऐसी ही पहलों में से एक है, जिसके लिए इस मंत्रालय ने गैर-वित्तीय सहायता प्रदान की थी और पूरे भारत से इको-क्लब के छात्रों को इसमें स्वैच्छिक रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया था। इस पहल ने पूरे भारत के छात्रों को महत्वूपर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान तलाशने के लिए एक मंच प्रदान किया। राष्ट्रीय प्रदर्शन कार्यक्रम के लिए चुने गए नवीन विचारों को आम जनता के लिए इस मंत्रालय के 'पर्यावरणीय शिक्षा कार्यक्रम' पोर्टल पर अपलोड किया है। इस हैकाथॉन का उद्देश्य छात्रों द्वारा प्रस्तुत विचारों को आगे बढ़ाने और आगे विकसित करने के बजाय बच्चों को पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने के लिए नवीन विचारों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना था।

*****